जिसे होना है मालामाल और खुशहाल रामदेवजी भजन

जिसे होना है मालामाल और खुशहाल,
दोहा- रामा कहू के रामदेव,
हिरा कहू के लाल,
ज्याने मिलिया बाबा रामदेव,
तो वाने कीन्हा निहाल।bd।

जिसे होना है मालामाल और खुशहाल,
वो हाथों को उपर करे,
के जय रामापीर कहे,
जिसे रामदेव बाबा से है प्यार,
और प्यारा लगे दरबार,
वो हाथों को उपर करे,
के जय रामापीर कहे।bd।

बाबा रामदेव जी है पर उपकारी,
पीरो के है पीर बाबा कृष्ण अवतारी,
जिसे होना है जग मे निहाल,
और पाना है उँची शान,
वो हाथों को उपर करे,
के जय रामापीर कहे।bd।

मैनादे का लाल राजा,
अजमल का दुलारा,
बीरमदेव का वीर बाई,
सुगणा का प्यारा,
जिसकी डुब रही मझधार,
और होना है भव से पार,
वो हाथों को उपर करे,
के जय रामापीर कहे।bd।

'दीपक' कहे मै हुं किस्मत वाला,
रामदेबाबा है मेरा रखवाला,
सिरपे धरना है इनका हाथ,
और पान है इनका साथ,
वो हाथों को उपर करे,
के जय रामापीर कहे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जिसे होना है मालामाल और खुशहाल,
वो हाथों को उपर करे,
के जय रामापीर कहे,
जिसे रामदेव बाबा से है प्यार,
और प्यारा लगे दरबार,
वो हाथों को उपर करे,
के जय रामापीर कहे।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
दीपक चौधरी,
9545610718

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com